ग्यासुद्दीन तुगलक

- 30th lecture by -

Mamta Rani
History Depart.
SNSRKs COLLEGE,
SAHARSA.

07-05-2020.

Scanned with CamScanner

→ 1323 ई० में उसने शहजादे जौना खां को दक्षिण भारत में सल्तनत के प्रभुत्व को पुनर्स्थापना के लिया भेजा। जौना खां ने वारंगल के काकतीय एवं मदुरा के पाण्डय राज्यों को विजित कर उसे दिल्ली सल्तनत में शामिल कर लिया। तेलंगाना का नाम सुल्तानपुर रख दिया।

→ सर्वप्रथम गयासुद्दीन तुगलक के समय में ही दक्षिण के राज्यों को दिल्ली सल्तनत में मिलाया गया। इसमें सर्वप्रथम वारंगल था। सुल्तान गयासुद्दीन का अंतिम सैन्य अभियान बंगाल की गड़बड़ी को समाप्त करना था क्योंकि बलबन के लड़के बुगरा खां ने बंगाल को स्वतंत्र घोषित कर दिया था।

→ निजामुद्दीन औलिया ने गयासुद्दीन तुगलक के बारे में कहा था कि दिल्ली अभी दूर है। सुल्तान का औलिया से मनमुटाव हो गया था। स्वागत समारोह के लिए निर्मित लकड़ी के भवन के गिरने से 1325 ई० में उसकी मृत्यु हो गयी। तुगलकाबाद उसे दफनाया गया। गयासुद्दीन ने लगभग सम्पूर्ण दक्षिण भारत को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया था।

→ इसके व्यक्तित्व में "रस्म-ए-मियान" (सख्ती, नरमी) एवं संयम का सम्मिश्रण था। यह प्रथम सुल्तान था जिसने सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण करवाया। इसके समय में मंगोलों ने 2 बार आक्रमण किया पंतु सभी को विफल कर दिया गया। प्रथम सुल्तान था जिसने 'गाजी' और 'काफिरों का घातक' की उपाधि धारण किया। इसने दिल्ली के समीप तुगलकाबाद नामक नये नगर का निर्माण किया। सुल्तान की हत्या स्वयं उसका पुत्र जूना खाँ था।

Scanned with CamScanner

तुगलक वंश
(1320-1414) ई०

गयासुद्दीन तुगलक
(1320- 1325) ई०

→ इस वंश की स्थापना गयासुद्दीन तुगलक (गाजी मलिक) ने 1320 ई० में की। यह सुल्तान कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी के शासन काल में उत्तर पश्चिमी सीमान्त प्रान्त को शक्तिशाली गवर्नर नियुक्त हुआ था।

→ किसानों की स्थिति में सुधार करना और कृषि योग्य भूमि में वृद्धि करना उसके दो मुख्य उद्देश्य थे। अलाउद्दीन खिलजी द्वारा लागू की गई भूमि लगान तथा मंडल संबंधी नीति के पक्ष मे वह नहीं था। उसने मुकद्दम तथा खूतों को उनके पुराने अधिकार लौटा दिये।

→ लगान निश्चित करने में बटाई का प्रयोग फिर से प्रारंभ कर दिया। तथ्यों की वसूली को बंद करवा दिया, भूराजस्व की दर को 1/3 किया तथा सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण करवाया।

→ अलाउद्दीन की कठोर नीति के विपरीत गयासुद्दीन ने उदारता की नीति अपनायी जिसे बरनी ने रस्मेमियान अथवा मध्यपंथी नीति कहा। सिंचाई हेतु नहर निर्माण कराने वाला गयासुद्दीन पहला शासक था।

→ उसकी डाक व्यवस्था श्रेष्ठ थी। अमीरों को पद देने में वंशानुगत के साथ-साथ योग्यता को भी आधार बनाया गया ताकि इजारेदारी को समाप्त किया जा सके। अलाउद्दीन द्वारा चलाई गई दाग तथा चेहरा प्रथा को प्रभावशाली ढंग तथा उत्साह से लागू किया गया।

Scanned with CamScanner